संपादक के नोट

मैं रोस आफ़ शारोन कलिसिया के ११वे वार्षिक दिवस के इस आनंदमय उत्सव पर आप सबका अभिवादन करती हूँ। हमारा परमेश्वर उसके आशिषों को रोस आफ़ शारोन कलिसिया के सदस्यों पर, उसके सारे शाखाओं पर और हमारे सारे वाचकों पर उण्ढ़ेलते रहे।

निर्गमन ३४:१० – तब परमेश्वर ने कहा, "सुन, मैं एक वाचा बांधता हूँ। मैं तेरे सब लोगों के सामने ऐसे आश्चर्यकर्म करूंगा जैसे पृथ्वी पर और सब जातियों में कभी नहीं हुए और वे सब लोग जिनके बीच तू रहता है यहोवा के कार्यों को देखेंगे, क्योंकि जो मै तुम लोगों से करने पर हूँ वह भययोग्य है।

निश्चई हमारा परमेश्वर हमारे जीवनों में महान अद्भुत कार्यों और चमत्कारों को करेगा... वह समझ से परे अद्भुत कार्य, और अनगिनत आश्चर्यकर्म करता है। पवित्र–शास्त्र में हम बहुत से महान चमत्कारों को देखते हैं। पवित्र–शास्त्र भी एक चामत्कारिक पुस्तक है। जब चमत्कार होते हैं, लोग परमेश्वर के प्यार और सामर्थ को देखते हैं, फिर प्रभु के नाम को महिमा मिलता है। केवल वह चमत्कार नहीं करता, लेकिन उसके नबियों, चेलों और विश्वासियों द्ववारा, वह आज भी चमत्कार कर रहा है। यूहन्ना १४:१२ – मैं तुमसे सच सच कहता हूँ कि जो मुझ पर विश्वास करता है, वे कार्य जो मैं करता हूँ, वह भी करेगा, और इनसे भी महान कार्य करेगा, क्योंकि मै पिता के पास जाता हूँ।

हमारे परमेश्वर ने मूसा को मज़बूत किया निर्गमन ७:१ – तब यहोवा ने मूसा से कहा, "देख, मैं तुझे फ़िरौन के लिए परमेश्वर–सा ठहराता हूँ; और तेरा भाई हारून तेरा नबी होगा।

वही परमेश्वर तुम्हारा भी प्रयोग कर सकता है। परन्तु परमेश्वर ने संसार के मूर्खों को चुन लिया है कि ज्ञानवानों को लज्जित करे, और परमेश्वर ने संसार के निर्बलों को चुन लिया है कि बलवानों को लज्जित करे, और परमेश्वर ने संसार के निकृष्ट और तुच्छों को, वरन उनको जो है भी नहीं चुन लिया, कि उन्हें जो हैं व्यर्थ ठहराए। वही अद्भुत कार्यों वाला वरदान प्रभु तम्हे देगा। भजन संहिता ६८:१८ – तू ऊँचे पर चढ़ा, तू बन्दियों को बंधुवाई में ले गया। तू ने लोगों से वरन् हठिले लोगों से भी भेंटें लीं, कि याह परमेश्वर वहां वास करे। .हमारा परमेश्वर प्यार और करुणा से भरा है और दया से भरा है।. यिर्मयाह ३२:२७ – "देख, मैं सब प्राणियों का परमेश्वर यहोवा हूं, क्या मेरे लिए कोई काम कठिन है?"

हमारा परमेश्वर जिसने पानी को दाखरस में बदला, हमारा परमेश्वर जिसने समुद्र और तूफ़ानों को शांत कराया, हमारा परमेश्वर जो पानी पर चला मध्य–रात्री चेलों के मदद के लिए, क्या यें चमत्कार और अद्भुत कार्य नहीं? पाँच रोटी

और दो मछलियों के साथ, परमेश्वर ने पाँच हज़ार लोगों को खिलाया। फिरसे सात रोटी और कुछ मछलियों के साथ, परमेश्वर ने चार हज़ार लोगों को खिलाया, क्या यें चमत्कार नहीं ? व्यवस्थाविवरण ३३:३ – निस्सन्देह, वह अपनी प्रजा से प्रेम करता है। उसके सब पवित्र लोग उसके हाथ में हैं, वे तेरे पद–चिहनों पर चलते हैं। प्रत्येक को तेरे वचन में से मिलता है।

एक तरफ़ परमेश्वर अद्भुत चमत्कारों को कर रहा है और दूसरी तरफ़, वह अपने चेलों को अभ्यास कराता है उनके ज़रिए चमत्कार करने के लिए। मरकुस १६:२० – और उन्होंने जाकर सब जगह प्रचार किया, और प्रभु उनके साथ काम करता रहा, और वचन को उन चिन्हों के द्वारा जो साथ साथ होते थे, दृढ़ करता रहा।

इस युग के मेरे प्यारे लोगों, यह अब तुम्हारा समय है अद्भुत कार्यों और चमत्कारों को करने का। प्रभु तुम्हे चंगाई और चमत्कारों का वरदान देना चाहता है।. प्रेरितों के काम १९:११ – और पौलुस के हाथों से परमेश्वर अद्भुत सामर्थ के काम दिखाता था।

परमेश्वर लोगों को उसका भय मानने का चेतावनी देता है। वह चामत्कारिक रूप से न्याय करेगा। याद है हनन्याह और सफीरा की मृत्यु? उन्होने पवित्र–आत्मा के विरुद्ध पाप किया और इतना बड़ा न्याय उनपर आया। यह न्याय पूरी सभा पर भय लाया। प्रेरितों के काम ५:११ – इस से समस्त कलीसिया तथा सब सुनने वालों पर बड़ा भय छा गया।

पुराने नियम में, दस चमत्कार जो मूसा ने फ़िरौन के सामने किया न्याय के चमत्कार थे। दस विपत्तियां के बाद भी, फ़िरौन ने अपने हृदय को कठोर किया, जिस कारण फ़िरौन ने अपना पहला–पुत्र खो दिया। जब मूसा के बहन मरियम ने उसके विरुद्ध बात किया, परमेश्वर का भयंकर न्याय उसपर आया और तुरंत उसे कुष्टरोग हुआ।. गिनती १२:८–१० – मै उस से आमने–सामने, प्रत्यक्ष रूप में बातें करता हूं; गुप्त रूप से नहीं। वह यहोवा का रूप भी निहारने पाता है। तब तुम मेरे दास मूसा की निन्दा करते समय क्यों नहीं डेरे?" अतः यहोवा का क्रोध उन पर भड़का, और वह चला गया। जब बादल तम्बू के ऊपर से उठ गया तब मरियम कोढ़ से हिम के समान श्वेत हो गई। और हारून ने मरियम की ओर फिरकर देखा कि वह कोढ़ी हो गई है।

इसी तरह, जब कोराह मूसा के विरुद्ध खड़ा हुआ, पृथ्वी खुल गया और कोराह और उसके परिवार को निगल गया। गिनती १६:२८–३२ – तब मूसा ने कहा, "इस से तुम जान लोगे कि ये सब काम करने के लिए यहोवा ने मुझे भेजा है क्यंकि मैंने अपनी इच्छा से कुछ नहीं किया। यदि इन मनुष्यों की मृत्यु अन्य मनुष्यों के समान हो या इन पर वसा बीते जैसा सब के साथ बीतता है तो समझना कि यहोवा ने मुझको नहीं भेजा। परन्तु यदि यहोवा कोई असाधारण कार्य करे, और भूमि अपना मुंह पसारकर उन को उनके सब कुछ समेत निगल जाए, तथा वे जीते जी अधोलोक में समा जाएं तो यह समझ लेना कि इन मनुष्यों ने यहोवा का अपमान किया है।" उसके यह कहते ही भूमि उनके पांवो तले फट गई, और पृथ्वी ने मुंह पसार कर उनको, उनके घरानो को, कोरह के सब साथियों को तथा उनकी धन–सम्पत्ति को एकाएक निगल लिया।

वह जो तुझे छूता है, उसकी आँख की पुतली को छूता है, क्या परमेश्वर उसपर भयंकर न्याय नहीं लाएगा जो तुम्हे छूता है?

परमेश्वर अंजीर के वृक्ष से फल खोजते हुए आया और केवल पत्तें पाए फल नहीं। परमेश्वर का न्याय वृक्ष पर तुरंत आया, वह वृक्ष जड़ से सूख गया मरकुस ११:२० – फिर प्रातःकाल जब वे उधर से जा रहे थे, तो उन्होंने उस अंजीर के पेड को जड़ तक सूखा हुआ देखा।

आज भी कुल्हाड़ा अब भी पेड़ों की जड़ पर रखा हुआ है, और प्रत्येक पेड़ जो अच्छा फल नहीं लाता, काटा और आग में झोंका जाता है। इसलिए आज भी तुम्हे फूलना है और फलवंत होना है। लूका १०:१९ – देखो, मैंने तुम्हें सांपों और बिच्छुओं को कुचलने तथा शत्रु की सारी सामर्थ पर अधिकार दिया है, अतः कोई तुम्हें हानि नहीं पहुँचाएगा।

परमेश्वर जो हमे यह अधिकार देता है सर्वशक्तिमान है।

इसलिए मेरे अति–प्रियों, आनेवाला वर्ष एक महान वर्ष विजय का हो उन सब के लिए जो विश्वास करते हैं और परमेश्वर के वचनों का मांग करते हैं।

पास्टर सरोजा म.

सर्वशक्तिमान के छाया तले।

पवित्र शास्त्र भजन संहिता ३४:१९ में कहता है – धर्मी पर बहुत–सी विपत्तियां आती तो हैं, परन्तु यहोवा उसको उन सब से छुड़ाता है। जैसे कि पवित्र शास्त्र कहता है, धर्मी अनेक संकटों का सामना करेगा, परंतु प्रभु उन्हे बचाएगा। इसलिए आनेवाले कठिनाइयों से डरने की कोई ज़रूरत नहीं है, क्योंकि हमारा परमेश्वर ही है जो हमे बचाएगा। हमे केवल प्रार्थना करना है। हमे दुखों कठिनाइयों और बीमारियों के समय कैसे प्रार्थना करना चाहिए? हमे भजन संहिता ५७:१ जैस प्रार्थना करना चाहिए – हे परमेश्वर, मुझ पर अनुग्रह कर, मुझ पर अनुग्रह कर, क्योंकि मेरा प्राण तेरा शरणागत है, और जब तक यह विनाश दूर न हो जाए मैं तेरे पंखों की छाया में शरण लिए रहूंगा। ऐसे परिस्थितियों में जब हम प्रभु से प्रार्थना करते हैं तो उसके पंखों के तले हमारे लिए हमेशा सुरक्षा मिलता है। हमारे दुष्ट और कठिन दिनों में परमेश्वर के पंखों के छाया से बढ़कर कोई स्थान नहीं जैसे दिया गया है भजन संहिता ९१:१ – जो परमप्रधान की शरण में वास करता है, वह सर्वशक्तिमान की छाया में ठिकाना पाएगा। सारे संसार में सर्वशक्तिमान के छाया से बढ़कर कोई स्थान नहीं। जब हम प्रभु को पुकारते हैं, जैसे भजन संहिता ५७:१ में वर्णन किया गया है तो उसकी छाया हमेशा हमारे लिए उपस्थित है। जब हम सर्वशक्तिमान के छाया में हैं तो हमे कोई नहीं वहाँ सता सकता है। हम पवित्र शास्त्र में पढ़ते हैं हनोक एक मनुष्य था जो परमेश्वर के साथ चलता था। मनुष्य होने पर उसने भी हमारे जैसे कठिनाइयों और दुखों का सामना किया होगा। उसे परिपूर्ण, सच्चा, पवित्र रहना होता होगा और परमेश्वर की इच्छा हर दिन करना पड़ता होगा। लेकिन वह हमेशा प्रभु के छाया में था और जब समय आया वह ले लिया गया। इसलिए जैसे हम भी इन कठिनाइयों और दुखों से गुज़रते हैं हमे उसके छाया तले रहना है। हमारे कठिन समयों में जब हम प्रभु को पुकारते हैं तब उसकी छाया हमारे लिए हमेशा उपस्थित रहता है। सर्वशक्तिमान परमेश्वर की छाया। हम देखते हैं कि नूह ने प्रभु की बात मानी। उसने जहाज को बहुत परिश्रम से बनाया होगा उन दिनों में किसी भी लोगों ने उसपर विश्वास नहीं किया। लेकिन जब समय आया प्रभु ने उसे उन सारे प्राणियों के संग बचाया जो उस जहाज में थे। इसलिए कठिन समयों में जब हम उसे पुकारते हैं और उसकी छाया तले रहते हैं, तो आने वाले दिनों में वह हमे उसके साथ ऊपर उठाएगा। इनसानों जैसे जब

यह महान लोग प्रभु के संग जीए उन्हे प्रभु से ताड़ना भी मिली और वें लोगों द्वारा निंदा किए गए भी होंगे। लेकिन सारे विषयों में वे बढ़े और परमेश्वर के प्यार में प्रगति पाए और हमेशा उसकी छाया तले थे। इसलिए जब समय आया प्रभु ने उन्हे उठाया। पवित्र शास्त्र कहता है भजन संहिता **६९:१** में – हे परमेश्वर, मुझे बचा ले, क्योंकि जल–प्रवाह मेरे गले तक आ पहूंचा है। यहाँ पानी का अर्थ है कठिनाइयाँ और दुख जो हमारे रास्ते में आते हैं। प्रभु हमे स्मरण दिलाता है कि हमे ऐसे समयों में भयभीत नहीं होना हैं। बहुत समय लोग कहते हैं "पानी मेरे गले तक आ गया था और मैं डूब सकता था", इस प्रकार कहते हुए वे कई तकलीफ़ों का वर्णन करते हैं जिनका उन्होंने सामना किया है। प्रभु कहता है कि ऐसी स्थितियों में भी हमे घबराना नहीं हैं। हम देखते हैं भजन संहिता **३४:१९** – धर्मी पर बहुत–सी विपत्तियां आती तो हैं, परन्तु यहोवा उसको उन सब से छुड़ाता है। एक या दो नहीं लेकिन धर्मी के कई मुसीबतें होगें। नहीं तो वें परमेश्वर के सामने सोने जैसा कैसे चमकेंगे। केवल आग से गुज़रने के बाद हम शुद्ध सोने के समान चमक सकते हैं। हम पढ़ते है यशायाह **४३:२** – जब तू जल में से होकर जाए, मैं तेरे संग संग रहूंगा, और जब तू नदियों में से होकर चले तो वे तुझे न डुबाएंगी। जब तू अग्नी में से होकर चले तो वह तुझे न झुलसाएगी, न ही उसकी लौ तुझे जलाने पाएगी। प्रभु कहता है कि हम सब परिस्थितियों से गुज़रेंगे क्योंकि वह हमारे साथ रहेगा। प्रभु हमें यह आश्वासन आज भी देता है। कोई भी दुख हो, या संकट हो जो हम इस संसार में सामना कर सकते हैं, हमारे परिवारों में और हमारे घरों में। यह ऐसा लग सकता है कि तुम कभी डूब जाओगे, लेकिन प्रभु कहता है कि तुम उनमें से गुज़रोगे और इन परिस्थितियों से भी बाहर आओगे हम में एक शारिरिक जीवन और एक आतमिक जीवन भी है। अगर हम आतमिक जीवन जीएंगे तो हम निश्चई रूप से बच सकते हैं। हनोक, नूह और वें सब जिन्होने अपने जीवनों को कठिनाइयों का सामना करते हुए जीए, एक आतमिक जीवन जीए। अगर हम आतमिक जीवन जीते हैं तो यह वचन हमारे लिए है। अगर हम शरीर के अनुसार जीते हैं तो हम गिर जाएंगे और हम उठ नहीं पाएंगे। जब जल–प्रलय आता है और जब हम धर्मी नहीं होते प्रभु के आँखों में, तब हम गिरेंगे। जब हम धर्मी नहीं होते तो फिर बहुत–से तकलीफ़ों में से एक भी हमारे रास्ते में आएगा तो हम उठ नहीं पाएंगे। इस लिए हमारा जीवन एक आतमिक जीवन होना चाहिए और यह बहुत ही महत्त्वपूर्ण है। हम पढते हैं रोमियों **८:२३** – और न केवल यह, परन्तु स्वयं हम भी जिनके पास आत्मा का प्रथम फल है, अपने आप में कराहते हैं और अपने लेपालक पुत्र होने और देह के छुटकारे की बड़ी उत्कण्ठा से प्रतीक्षा कर रहे हैं। इसलिए हमे एक आतमिक जीवन जीने की इच्छा करनी चाहिए। हम पढ़ते हैं गलातियों **५:२४** – और जो मसीह येशु के हैं, उन्होंने अपने शरीर को दुर्वासनाओं तथा लालसाओं समेत क्रूस पर चढ़ा दिया है। प्रभु के लोगों ने शरीर के सारे चीज़ो को क्रूस पर त्याग दिया। यह इसके बाद ही उनका जीवन आतमिक जीवन बनता है। इसलिए हमे अपनी शारिरिक इच्छाओं को त्यागना है और हमारी इच्छा को भी और उसके मार्गों को अपनाना है और उसकी इच्छा को हमारे जीवन में अपनाना हैं। तब हम चाहे हज़ार बार भी गिरे, और पानी के समान तकलीफ़ें हमारे गले तक चढे हमारा सर्वशक्तिमान परमेश्वर हमे इन सारी चीज़ों से हमे छुड़ा सकता है क्योंकि हम सर्वशक्तिमान के छाया तले हैं और एक आतमिक जीवन जी रहे हैं। इसलिए प्रभु हमे बचाता है छुड़ाता है और आशीषित करता है हमारे सारे ज़रूरतों को पूरा कर कर, शांति और आनंद और खुशी देकर। वह आशिषों का सोता है। सर्वशक्तिमान परमेश्वर के बिना कुछ भी नहीं है। परिवार में भी शांति रहने के लिए परमेश्वर के अनुग्रह की ज़रूरत है। काफ़ी घरें हैं जहाँ

पर शांति नहीं है। इसलिए यह ज़रूरी है कि हम आतमिक जीवन जीए। परमेश्वर ने नूह को चेतावनी दी आनेवाले विनाश का और उससे कहा कि वह एक जहाज बनाए और उसमें घुस जाए और परिवार और जीवित जानवरों के साथ । प्रभु ने कभी नहीं कहा कि आगे क्या होगा, यह की वह कैसे बचाया जाएगा। नूह ने भी प्रभु से कोई सवाल नहीं किया। कारण यह था कि नूह ने परमेश्वर पर पूरा भरोसा किया। इसलिए जब हम एक आतमिक जीवन जीते हैं तब हम प्रभु के वचन पर संदेह नहीं करेंगे और हमारे हृदयों में अविश्वास न होगा। यह हमारा जीवन होना चाहिए। जब वे जहाज में थे प्रभु ने उन्हे सब कुछ दिया और उन्हे कोई घटी नहीं हुई। पवित्र शास्त्र कहता है कि मत्ती ४:४ – पर उसने उत्तर दिया, "यह लिखा है, "मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं, परन्तु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है, जीवित रहेगा" ।" इसलिए हमे यह सारी बाते हमारे जीवनों मे याद रखना हैं। नूह ने परमेश्वर के वचन को माना और उसे किसी भी चीज़ की घटी नहीं हुई। इसलिए मनुष्य को हर एक वचन से जीना है जो परमेश्वर के मूँह से निकलता है। यह नूह के विश्वास की बड़ी परीक्षा थी उसके जीवन में। उसने परमेश्वर से कभी सवाल नहीं पूछा और इस प्रकार उसे किसी भी वस्तु की कमी नहीं हुई। इस्राएली लोग जंगल में चालिस वर्ष तक भटकते रहे और इन सारे वर्षों में प्रभु ने उन्हें खिलाया, उन्हे पानी दिया और उन्हे चमत्कारिक रीति से बचाए रखा। यह परमेश्वर हमारा परमेश्वर है आज। इसलिए बिना किसी संदेह के हम हमारे जीवनों को और परिवारों को उसके हाथों में दे सकते हैं। वह हमे अनाथ नहीं छोड़ेगा। हम परमप्रधान के छाया के नीचे रह सकते हैं। हम धैर्य से हमारे जीवनों को उसके हाथों में दे सकते हैं। परमेश्वर जिसने नूह को खिलाया और जिसने अगुवाई की और इसाएल को चालीस वर्ष जंगल में खिलाया, वह हमारा परमेश्वर है। हम उस पर भरोसा कर सकते हैं और हमारे जीवनों को उसके हाथों में दे सकते हैं। पवित्र शास्त्र कहता है २ तीमुथियुस १:१२ – और इसी कारण मैं ये सब दुख भी उठाता हूं, फिर भी मैं लज्जित नहीं, क्योंकि मैं जानता हूं कि मैंने किस पर विश्वास किया है, और मुझे पूर्ण निश्चय है कि वह मेरी धरोहर की रखवाली करने में उस दिन तक समर्थ है। हमारे जीवनों को जीवित परमेश्वर क हाथों में देकर हम कभी भी दुख या कठिनाइयों में नहीं पड़ेगे। नूह ने कभी प्रभु से सवाल नहीं किया किसी भी बात में और परिक्षा का सामना किया। आज हमे विश्वास करना चाहिए कि मनुष्य जीवित रह सकता है हर एक वचन से जो प्रभु के मूँह से निकलता है। जब हम हमारे जीवनों को उसके हाथों में देते हैं तब वह हमे बचा सकता है क्योंकि वह एक सर्वशक्तिमान परमेश्वर है। हम सोचें उस समय के बारे में जब नूह सूखे भूमि पर उतरा बाढ़ के टलने के बाद। वह दिन नए जीवन का शरूवात हुआ होगा नूह और उसके परिवार के लिए कई बार लोग कठीन समय से गुज़रते हैं बीमारी का और फिर देखने वाले यह कहते हैं के बीमार इनसान ने एक नया जीवन जीया है। उसी तरह नूह और सारे जो उसके साथ थे नया जीवन पाया। इसी तरह जब हम हमारे परमेश्वर पर विश्वास करते हैं, हर वस्तु नया हो जाता है। हर बुराई बाहर निकल जाता है और हर वस्तु नया होता है। पवित्र शास्त्र कहता है २ कुरिन्थियों ५:१७ – इसलिए यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है। पुरानी बातें बीत गई। देखो, नई बातें आ गई हैं। जैसे नूह ने परमेश्वर की आवाज़ सुनकर उसकी बात मानकर चला उसका आतमिक जीवन आशिषित था और हर वस्तु उसके लिए नया था। अगर वह किसी और मनुष्य के जैसे जीता तो वह दिन नहीं देख पाता। बाढ़ के बाद प्रभु ने नूह के साथ वाचा बाँधा, जैसे दिया गया है उत्पत्ति ९:१४ – और जब मैं पृथ्वी पर बादल लाऊंगा तब बादल में यह धनुष दिखाई देगा। हमारे जीवनों में भी जब हमारे आतमिक जीवन परमेश्वर को प्रसन्न करता है, तब हर

वस्तु हमारे जीवनों में नया होता है। तब निश्चित रूप से एक दिन जब प्रभु हमको प्रतिज्ञा के देश में ले जाएगा। हम छूकर देख सकते हैं उस धनुष को जिसे परमेश्वर ने नूह को दिखाया।

हम पढ़ते हैं भजन संहिता **२७:१४** – यहोवा की प्रतिक्षा करता रह। हियाव बांध और तेरा हृदय दृढ़ बना रहे। हां, यहोवा ही की प्रतीक्षा करता रह। इसलिए वह दिन देखने के लिए हमे परमेश्वर पर रूकना हैं। जैस नूह रूका हमे भी प्रभु पर रूकना हैं। हमे परमप्रधान के छाया तले रहना हैं और फिर निश्चई हम उस जगह को देख सकते हैं जो उसने वचन में दिया है। हम जानते हैं कि राजा नबूकदनेस्सर ने आज्ञा दी की शद्रक, मेशक, और अबेदनगो को आग में ड़ाल दिया जाए। वह नहीं जानता था कि प्रभु उनके साथ था। जब प्रभु उनके साथ अग्नीमय भट्टी में प्रकट हुआ तब उस समय राजा ने जाना के परमेश्वर उनके साथ था और वें उनके परमेश्वर के साथ थे। इसलिए जब हम ऐसी कठिनाइयों और दुख से गुज़रते हैं और भट्टी में ड़ाले जाते हैं ताकि संसार जान सके कि परमेश्वर हमारे साथ है। नहीं तो संसार और हमारा परिवार यह सच्चाई को नहीं जानेगा। जब उन्होंने सारी चीज़े परखी और फिर जब तक परमेश्वर के संतान खड़े हैं वें जानेंगे कि परमेश्वर उनके संग है। यह वह समय है जब हम मुसीबतों से गुज़रते हैं ताकि संसार जानेगा कि तुम परमेश्वर के हो। दानिय्येल सिंहों के गुफ़े में फैंका गया लेकिन यह तब था जब प्रभु ने सिंहों के मूँह को बंद कर दिया ताकि लोग जान जाए कि वह प्रभु का प्रिय था। यह बहुत ही ज़रूरी है कि हम प्रभु से बंधे रहे और हम परमप्रधान के छाया तले रहे। जैसे भजन संहिता **३४:१९** कहता है – धर्मी पर बहुत–सी विपत्तियां आती तो हैं, परन्तु यहोवा उसको उन सब से छुड़ाता है। क्लेश कम नहीं बहुत है। दुख और कठिनाइयाँ हैं लेकिन प्रभु है जो हमे छुडाता है। हम में इच्छा रहना चाहिए कि हम हमेशा उसके छाए तले रहें। चाहे कोई भी क्लेश आए, प्रभु तुम्हें उसमें से छुड़ाएगा और फिर संसार जानेगा कि तुम तुम्हारे परमेश्वर के हो और यह कि परमेश्वर तुम्हारे साथ है। हम हमारे बारे में नहीं जानते, लेकिन जब हम अपने आप को उसके हाथों में सौंपते हैं और पानी में से गुज़रते हैं और विजयी रूप से बाहर आते हैं तब हम निश्चई कह सकते हैं कि हमे उसके नाम से विजय प्राप्त हुआ है। बाढ़ के बाद, नूह ने प्रभु के लिए बलि चढ़ाया, और जैसे ही बलि की मीठी खुश्बू स्वर्ग तक पहुँची, प्रभु प्रसन्न हुआ और उसने नूह के साथ वाचा बाँधा कि वह फिर कभी पृथ्वी को पानी से नाश नहीं करेगा। प्रभु उसके वाचा से नहीं मुखरेगा। हम पढ़ते हैं – यशायाह **५४:१०** – चाहे पर्वत हट जाएं और पहाड़ियां टल जाएं, फिर भी मेरी करूणा तुझ पर से कभी न हटेगी, और शांति की मेरी वाचा न टलेगी।" यहोवा, जो तुझ पर दया करता है उसकी यही वाणी है। वह एक सच्चा परमेश्वर है। और यह वाचा हमारे साथ बनाता है। हमारा परमेश्वर एक अद्भुत परमेश्वर है। आज, जैसे हम पढ़ते हैं इसे, हम इसे वाचा समझकर अपनाएँ, कि वह की परमेश्वर ओर से है। जब हम प्रभु में बँधे रहते हैं तब हमे ड़रने की ज़रूरत नहीं, चाहे पानी हमारे ऊपर से क्यों न निकले, क्योंकि हम सर्वशक्तिमान परमेश्वर के छाया में है। परमेश्वर की ओर आने से पहले मैं एक पापी थी, लेकिन आज उसके अनुग्रह और करूणा से मैंने शांति और आनंद प्राप्त किया है हमारा परमेश्वर अपने वचन से नहीं मुखरता। परमेश्वर का हर एक वचन सच्चा है और हमारे जीवनों में पूरा होगा। बहूत से तूफ़ानों से गुज़रते हुए आज मैं यह कह सकती हूँ कि उसके अनुग्रह से मेरा पूरा परिवार प्रभु येशु मसीह को जानता है और वह हर एक को उद्धार कि ओर उसके स्थापित समय में लाएगा क्योंकि वह वचनों का परमेश्वर है, वह करूणा और प्यार का परमेश्वर है। जब हम उसके साथ हैं तब चाहे हम हज़ार बार भी क्यों न गिरे, वह तैयार है हमे उठाने के लिए। अगर ये कठिनाइयाँ,

दुख और अपमान नहीं होते तो कैसे मेरा परिवार जानता कि मेरा परमेश्वर मेरे साथ है हम इन परिस्थितियों से गज़रने के बाद लोग जानेंगे कि हमारा परमेश्वर हमारे साथ हैं और हम हमारे परमेश्वर के साथ हैं। इसलिए जैसे तुम इन कठिनाइयों और दुख से गुज़रते हो तो जग और तुम्हारा परिवार जानेगा कि तुम परमेश्वर के हो। इन कठिनाइयों, अपमान और दुखों के समयों में तुम्हे विश्वास रखना है, कि तुम सर्वक्तिमान के छाया तले हो। तुम्हे विश्वास होना चाहिए कि वह तुम्हे ज़रूर बचाएगा। सच्चाई छिपाई नहीं जा सकती। येशु सच्चाई है। जब हम उसके साथ हैं तब वह हमारी ओर सब कुछ लाता है। एक राजा था जो बूढ़ा हो रहा था और उसने उसके लोगों से कहा कि वें जो चाहे वह ले सकतें हैं। फिर हर एक व्यक्ति आकर कुछ–न–कुछ महल में से ले गया। लेकिन एक मनुष्य था जिसने कुछ नहीं लिया और वह खड़ा था। राजा ने उससे पूछा कि तुमने क्यों कुछ नहीं लिया, सबने उनकी मन पसंद चीज़ो को लिया है। मनुष्य ने कहा कि उसे कुछ नहीं चाहिए। तब राजा ने पूछा "तुम क्या चाहते हो?" उस मनुष्य ने तब उत्तर दिया "मैं तुम्हे चाहता हूँ, क्योंकि तुम मेरे साथ हो तो तुम्हारी सारी चीज़ें मेरी होगी।" इसी प्रकार जब प्रभु हमारे साथ है तब सारी चीज़े हमारी होगी। इसलिए जब हम परमप्रधान के छाया में हैं तो हमे जानना है कि वह उसके वचन से कभी नहीं बदलता। वह एक सच्चा, जीवित और प्यारा परमेश्वर है। वह हमारे साथ आज भी है। उसके साथ हो तो तुम्हारी सारी चीजें मेरी होगी। इसी प्रकार जब प्रभु हमारे साथ है तब सारी चीज़ें हमारी होगी। इसलिए जब हम परमप्रधान के छाया में है तो हमे जानना हैं कि वह उसके वचन से कभी नहीं बदलता। वह एक सच्चा और जीवित और प्यारा परमेश्वर है। वह हमारे साथ आज भी है। उसके आँखों से कुछ भी नहीं छिपता। हमे अपने आप को तैयार करना हैं उसमें एक आतमिक जीवन जीने के लिए। चाहे जो भी दुख या कठिनाइयाँ हो तुम सर्वशक्तिमान के छाया में रहोगे। तब सब जानेंगे के तुम परमेश्वर के हो और वह तुम्हारे साथ है। क्योंकि प्रभु तुम्हारे साथ है हमारे सारे तकलीफों और कठिनाइयों हमारे जीवनों में से वह हमे बचाता है। हम पढ़ते हैं भजन संहिता **७४:२०** – अपनी वाचा पर ध्यान दे, क्योंकि देश के अंधेरे स्थान अत्याचार के अड्डों से भर गए हैं। अंधकार पृथ्वी पर बढ़ता है। इसलिए हर दिन हमे याद रखना है उस वाचा को और प्रभु को पुकारना है क्योंकि वह जल्द आने वाला है। वह हमे उसके साथ ले जाने आ रहा है। पवित्र शास्त्र कहता इब्रानियों **१०:३७** में – क्योंकि अब थोड़ी ही देर में आने वाला आएगा और विलम्ब नहीं करेगा। नूह और हनोक के जैसे हम भी एक आतमिक जीवन जीएंगे और उसके छाया में रहें हमारे सारे क्लेशों और मुसीबतों के मध्य, और प्रभु ज़रूर आएगा बिना देर किए। इसलिए यह बहुत ज़रूरी है कि हम अपने आप को तैयार करें।

हम पढ़ते हैं सभोपदेशक **५:४** – जब तू परमेश्वर के लिए मन्नत माने तो उसे पूरा करने में विलम्ब मत करना क्योंकि वह मूर्खों से प्रसन्न नहीं होता। तू जो मन्नत माने उसे पूरा करना। मन्नत ह केवल दान देने के लिए नहीं है लेकिन कई बार हमने कहा होगा कि हम उसके प्यार से अलग नहीं होंगे। हम और भी बहुत सी ऐसी चीज़ों को हमारे हृदय में सोचते हैं। हमे देर नहीं करना चाहिए उन चीज़ों को करने में जो हमने प्रभु से कहा हैं कि हम करेंगे। इसलिए हमने अपने हृदय में क्या सोचा हैं? कि वह ज़रूर आएगा हमे केवल उसकी स्तुति लगातार करना हैं अगर तुमने सोचा है कि तुम हर समय आओगे प्रभु की वचन सुनने के लिए तो तुम्हे वह करना चाहिए। इसलिए जो कुछ भी तुमने सोचा है कि तुम करोगे वह तुम्हे उसके लिए करना है जो एक दिन आएगा और देर नहीं करेगा । वह जब तक आएगा और देर नहीं करेगा। वह जब तक आएगा हमे उन चीज़ों को करते रहना है जो हमने कहा हैं हमारे हृदयों में। जब हम बीमार हैं तब हमने

बहुत से वादाएँ प्रभु से की होगी लेकिन जब हम स्वस्थ हो जाते हैं और ठीक हो जाते हैं तब हमारे पास समय नहीं होता वह सब करने के लिए जो हमने सोचा हैं हम करेंगे। प्रभु नहीं चाहता ऐसे मूर्ख लोगों से। हम पढ़ते हैं भजन संहिता ११९:६०– मैंने तेरी आज्ञाओं को मानने में देर नहीं, शीघ्रता की है। भजन संहिता का रचईता ने देर नहीं किया लेकिन वह उसके आज्ञाओं को मानने में झट–पट था। उसमें काम तुरंत समाप्त करने कि इच्छा रहता था प्रभु के आने से पहले। हम पढ़ते हैं यशायाह ४६:१३ – मैं अपनी धार्मिकता को निकट लाने पर हूं, वह दूर नहीं है। उद्धार करने में मैं विलम्ब न करूंगा। मैं सिय्योन को उद्धार, हा, इस्राएल को अपनी महिमा दूंगा। हर बीतते दिन से समय काफ़ी निकट आ रहा है। हम पढ़ते हैं निर्गमन २२:२९ – अपने अन्न की फसल में से मुझे कुछ देने में विलम्ब न करना। अपने बेटों में से पहलौठे को मुझे देना। प्रभु ने हमारे साथ बहुत सी वाचाएँ बाँधी हैं। हमे इन्हे हर दिन निभाना हैं हमारे जीवनों में उसके आने तक। बहुत से बार माता–पिता चाहते हैं कि उनके ज़्यादा होशियार बच्चों को अच्छी नौकरी लगे और अच्छे स्थानों में लगे ताकि वें परिवार संभाल सके, लेकिन कमज़ोर बच्चों को बेकार समझा जाता है और वें उन्हे प्रभु की सेवा करने के लिए भेजते हैं। ऐसा हम सोचते हैं प्रभु ऐसा नहीं सोचता है। पहला का अर्थ है सबसे अच्छा प्रभु को दिया जाए। प्रभु सब वस्तुओ में उत्तम वस्तु चाहता है। प्रभु हमे इन चीज़ो में तैयार करता है क्योंकि वह जल्द आनेवाला है और चाहता है कि हम तैयार रहे। जब समय आ चुका था सदोम और अमोरा को नाश करने का तब लूत ने देर किया दूसरे सुबह तक और अंत में प्रभु के दूत ने उन्हे हाथों से पकड़कर सुरक्षित जगह पर ले गया क्योंकि नाश आ चुका था। हमारा जीवन ऐसा नहीं होना चाहिए। आज भी प्रभु हमे बहुत समय दे रहा है और हमसे बात कर रहा है, हमे सिखाता है, और बचाता है। वह हमसे बार–बार कहता है, चाहे जो भी दुख और तकलीफ़ें आए, उसके छाया में रहने से वह हमे बचाएगा चाहे हम हज़ार बार भी क्यों न गिरे। वह चाहता है कि हम अपने सारे वादाओं को पूरा करें क्योंके समय निकट आया है। हम अपने कानों को खोलकर उसके वचन को ग्रहण करें और अपने–आप को हनोक और नूह जैसे तैयार करें। हम लूत जैसे लापरवाह नहीं होना चाहिए जहाँ पर स्वर्गदूत को आना पड़ा और उन्हे सुरक्षित स्थान पर ले जाने के लिए। यह हमारे साथ नहीं होना चाहिए और हमे देर नहीं करना चाहिए क्योंके जो आनेवाला है वह और देर नहीं करेगा। हम सुनते हैं बहुत सी तकलीफ़ों को जो उसके लोग काफ़ी स्थानों में उठा रहे हैं। ऐसे कठिन समयों में ही जग जानेगा कि हम प्रभु के हैं और प्रभु हमारे साथ हैं। हम पढ़ते हैं प्रेरितों के काम २२:१६ – अब क्यो देर करता है? उठ, बपतिस्मा ले, और उसका नाम लेकर अपने पापों को धो डाल। प्रभु के सारे कार्यों में वह चाहता है कि हम तुरंत आगे बढ़े और उन चीज़ों को करें जो हमे करना हैं, क्योंकि वह जो आनेवाला है जल्द आएगा। धर्मी के अनेक संकट और दुख होंगे, लेकिन जब हम सर्वशक्तिमान के छाया में रहते हैं तो वह हमे हर दिन बचाएगा। आज भी अगर तुम में शांति और आनंद नहीं तो तुम्हे उसके छाया में आना है। हमारा परमेश्वर एक प्यारा परमेश्वर है जिसकी करूणा हर दिन नया है और वह हमारा ध्यान रखेगा उसके अनुग्रह और दया से। वह हमे उसका आनंद और शांति देता है जो हमसे कोई नहीं छीन सकता है। और संसार के कठिन समयों में जानो कि तुम परमेश्वर के साथ हो और परमेश्वर तुम्हारे साथ है।

पास्टर सरोजा म.